भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी वकास और गंगा संरक्षण वभाग

लोक सभा

अतारां कत प्रश्न संख्या **4508**

जिसका उत्तर **27** मार्च, 2025 को दिया जाना है।

.....

आंध्र प्रदेश में अटल भूजल योजना का वस्तार

4508. श्री जी. एम. हरीश बालयोगी**:**

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे क:

(क) क्या सरकार के पास आंध्र प्रदेश में अटल भूजल योजना (एबीबाई) का वस्तार करने की कोई योजना है;

(ख) यदि हां, तो उक्त योजना के कार्यान्वयन चह्नित कए गए ग्राम पंचायतों/प्रशासनिक ब्लॉकों/तालुकाओं और जिलों का ब्यौरा क्या है और आंध्र प्रदेश में इसके कार्यान्वयन की प्रस्ता वत समय-सीमा क्या है;

(ग) आंध्र प्रदेश में उक्त योजना के कार्यान्वयन के लए आवंटित धनरा श का ब्यौरा क्या है,

(घ) क्या सरकार का उक्त योजना को केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना के रूप में पुनर्गठित करने का वचार है और यदि हां, तो केन्द्र और राज्य के बीच प्रस्ता वत लागत-भागीदारी अनुपात दर्शाते हुए तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार ने आन्ध्र प्रदेश में भू-जल के स्तर में गरावट की प्रवृ त्तयों का आकलन कया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके समाधान के लए आन्ध्र प्रदेश के लए क्या व शष्ट कार्य योजना तैयार की गई है; और

(च) क्या सरकार की प्रौद्यो गकीय हस्तक्षेपों जैसे सेंसर आधारित निगरानी, जीआईएस मान चत्रण और कृत्रिम बुद् धमत्ता आधारित भूजल प्रबंधन को एकीकृत करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क) से **(घ):** अटल भूजल योजना निर्धारित अव ध और परिव्यय के साथ सहभा गता भू म जल प्रबंधन के लए एक प्रायो गक परियोजना है। अटल भूजल योजना के सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए वभाग द्वारा इसके दूसरे चरण की योजना तैयार की गई है, तथा प, इस संबंध में अभी कोई निर्णय नहीं लया गया है।

(ङ): केन्द्रीय भू म जल बोर्ड **(**सीजीडब्ल्यूबी**)** द्वारा आन्ध्र प्रदेश राज्य सहित देश भर में प्रति वर्ष चार बार भूजल स्तर की मॉनिटरिंग की जाती है। आंध्र प्रदेश में भूजल स्तर में दीर्घका लक उतार-चढ़ाव का आकलन करने के लए, नवंबर 2024 के दौरान सीजीडब्ल्यूबी द्वारा एकत्र कए गए जल स्तर के आंकड़ों की तुलना नवंबर (2014-2023) के दशकीय औसत से की गई

है। जल स्तर संबंधी आंकड़ों के वश्लेषण से यह पता चलता है क मॉनिटर कए गए लगभग 66.9% कुओं में भूजल स्तर में वृद् ध हुई है। आंध्र प्रदेश के संबंध में औसत (2014 से 2023 मानसून के बाद) और मानसून 2024 के बाद जिलेवार दशकीय जलस्तर में उतार-चढ़ाव अनुलग्नक में है।

जल राज्य का वषय है। भूजल से संबं धत मुद्दों के समाधान का दायित्व मुख्यत संबं धत राज्य सरकारों का है। तथा प, केन्द्र सरकार द्वारा अपनी व भन्न स्कीमों और परियोजनाओं के माध्यम से तकनीकी और वत्तीय सहायता प्रदान कर राज्य सरकारों के प्रयासों को समर्थन प्रदान कया जाता है। इस दिशा में जल शक्ति मंत्रालय और अन्य केंद्रीय मंत्रालयों द्वारा आंध्र प्रदेश राज्य सहित पूरे देश के भूजल संसाधनों में सुधार के लए उठाए गए महत्वपूर्ण कदम निम्न ल खत हैं:

i. सरकार द्वारा वर्ष 2019 से देश में जल शक्ति अ भयान (जेएसए) का कार्यान्वयन कया जा रहा है । यह अ भयान वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण गति व धयों के लए मशन मोड और समयबद्ध कार्यक्रम है। वर्तमान में देश में जेएसए 2025 आरंभ कया गया है, जिसमें अति-दोहित, गंभीर और अर्ध-गंभीर ज़िलों (ओसीएस जिलों) पर वशेष ध्यान दिया गया है। जेएसए एक व्यापक अ भयान है जिसके तहत व भन्न केंद्रीय और राज्य योजनाओं के सम्मिलन से व भन्न भूजल पुनर्भरण और संरक्षण संबंधी कार्य कए जा रहे हैं।

ii. सीजीडब्ल्यूबी द्वारा जलभृत्त वन्यास और उनके व शष्टीकरण की रूपरेखा तैयार करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय जलभृत्त मै पंग और प्रबंधन कार्यक्रम (नैक्यूम) आरंभ कया गया है। आंध्र प्रदेश के 1.41 लाख वर्ग कमी क्षेत्र सहित देश के लगभग 25 लाख वर्ग कमी के कुल मै पंग योग्य क्षेत्र की मै पंग इस योजना के तहत की गई है और इन प्रबंधन योजनाओं को कार्यान्वयन के लए संबं धत राज्य/जिला प्रशासन के साथ साझा कया गया है।

iii. सीजीडब्ल्यूबी द्वारा आंध्र प्रदेश सहित पूरे देश के लए भूजल के कृत्रिम पुनर्भरण के लए मास्टर प्लान-2020 तैयार कया गया है। इस मास्टर प्लान को राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों के साथ साझा कया गया है, जिसमें 185 बीसीएम (बि लयन क्यूबिक मीटर) जल के संरक्षण के लए देश में लगभग 1.42 करोड़ वर्षा जल संचयन और कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं के निर्माण के लए एक व्यापक रूपरेखा तैयार की गई है। इस मास्टरप्लान में आंध्र प्रदेश के लए लगभग 3.16 लाख संरचनाओं के निर्माण की सफारिश की गई है।

iv. कृ ष और कसान कल्याण वभाग (डीए एवं एफडब्ल्यू), भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015-16 से आंध्र प्रदेश सहित पूरे देश में प्रति बूंद अ धक फसल योजना का कार्यान्वयन कया जा रहा है, जो उपलब्ध जल संसाधनों के इष्टतम उपयोग के लए सूक्ष्म संचाई

और बेहतर ऑन-फार्म जल प्रबंधन प्रथाओं के माध्यम से खेत स्तर पर जल उपयोग दक्षता बढ़ाने पर केंद्रित है। उपलब्ध सूचना के अनुसार वर्ष 2019 से 2024 के दौरान आंध्र प्रदेश में 3.1 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को सूक्ष्म संचाई के तहत शा मल कया गया है।

v. भारत सरकार द्वारा मशन अमृत सरोवर अ भयान शुरू कया गया था, जिसका उद्देश्य जल भंडारण क्षमता में वृद् ध और भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आंध्र प्रदेश सहित देश के प्रत्येक जिले में कम से कम 75 जल नकायों का वकास और पुनरुद्धार करना था। इसके परिणामस्वरूप देश में लगभग 69,000 अमृत सरोवर का निर्माण / पुनरुद्धार कया गया है। इनमें से 2,154 अमृत सरोवर आंध्र प्रदेश में अवस्थित हैं।

vi. जल शक्ति मंत्रालय सतही जल और भूजल के संयुक्त उपयोग को बढ़ावा दे रहा है और भूजल पर निर्भरता को कम करने के लए, राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों के सहयोग से पीएमकेएसवाई-एआईबीपी योजना के तहत देश में सतही जल आधारित प्रमुख और मध्यम संचाई परियोजनाएं शुरू की गई हैं।

(च): वास्त वक समय आधार पर भूजल पर हाई फ्रीक्वेन्सी डेटा होने के महत्व को महसूस करते हुए, इस मंत्रालय द्वारा अपनी व भन्न योजनाओं और परियोजनाओं जैसे भूजल प्रबंधन और वनियमन (जीडब्ल्यूएम एवं आर) योजना, राष्ट्रीय जल वज्ञान परियोजना (एनएचपी) आदि के तहत देश भर में टेलीमेट्री सस्टम के साथ डजिटल जल स्तर रिकार्डर (डीडब्ल्यूएलआर) स्था पत करने की प्र क्रया शुरू की गई है। एनएचपी के तहत उक्त गति व ध को करने के लए राज्य सरकारों को भी वत्त पो षत कया जाता है। उपर्युक्त स्कीमों के अंतर्गत आन्ध्र प्रदेश राज्य में अब तक लगभग 783 डीडब्ल्यूएलआर संस्था पत कए गए हैं जो जल स्तर संबंधी आंकड़ों को सीधे फील्ड से केन्द्रीय सर्वर को उच्च फ्रीक्वेंसी पर भेजते हैं जिससे डाटा की लगभग वास्त वक समय में उपलब्धता सुनिश्चित होती है।

इसके अतिरिक्त, निय मत अंतराल पर भूजल संसाधन आकलन के जटिल कार्य को पूरा करने के उद्देश्य से, सीजीडब्ल्यूबी द्वारा भूजल संसाधनों के आउटपुट की ऑनलाइन डेटा प्र वष्टि, इनकी गणना और सृजन के लए जीआईएस आधारित प्लेटफॉर्म इं डया ग्राउंडवाटर रिसोर्स एस्टीमेशन सस्टम (आईएनजीआरईएस) नामक एक उन्नत वेब-आधारित एप्लिकेशन तैयार कया गया है।

*****

अनुलग्नक

“आंध्र प्रदेश में अटल भूजल योजना का वस्तार” के संबंध में दिनांक 27.03.2025 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारां कत प्रश्न संख्या 4508 के भाग (ङ) के उत्तर में उल्लि खत अनुलग्नक।

पोस्ट-मानसून **2024** के साथ पोस्ट-मानसून **2014** से **2023** के मध्य जल स्तर में परिवर्तन का वर्गीकरण

क्र.सं.	जिले का नाम	वश्ल षत कुओं की संख्या	जल स्तर (मीटर) में उतार-चढ़ाव दिखाने वाले कुओं की संख्या/प्रतिशत															
			वृद् ध						गरावट						वृद् ध		गरावट	
			0 से 2		**2 से 4**		**> 4**		**0 से 2**		**2 से 4**		**> 4**					
			सं.	**%**	सं.	**%**	सं.	**%**	सं.	**%**	सं.	**%**	सं.	**%**	सं.	**%**	सं.	**%**
1	अल्लूरी सीतारमा राजू	35	29	82.9	1	2.9	1	2.9	4	11.4	0	0	0	0	31	88.6	4	11.4
2	अनकापल्ली	20	10	50	2	10	0	0	8	40	0	0	0	0	12	60.0	8	40.0
3	अनंतपुरमु	8	5	62.5	3	37.5	0	0	0	0	0	0	0	0	8	100.0	0	0.0
4	अन्नमय्या	14	4	28.6	3	21.4	1	7.1	5	35.7	0	0	1	7.1	8	57.1	6	42.9
5	बापतला	21	4	19	0	0	1	4.8	16	76.2	0	0	0	0	5	23.8	16	76.2
6	चतूर	15	8	53.3	2	13.3	0	0	4	26.7	1	6.7	0	0	10	66.7	5	33.3
7	डॉ. बी.आर. अम्बेडकर कोनसीमा	29	29	100	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	29	100.0	0	0.0
8	पूर्वी गोदावरी	20	16	80	2	10	0	0	2	10	0	0	0	0	18	90.0	2	10.0
9	एलुरु	26	5	19.2	1	3.8	1	3.8	18	69.2	1	3.8	0	0	7	26.9	19	73.1
10	गुंटूर	23	6	26.1	1	4.3	0	0	15	65.2	1	4.3	0	0	7	30.4	16	69.6
11	काकीनाडा	18	15	83.3	1	5.6	0	0	1	5.6	1	5.6	0	0	16	88.9	2	11.1
12	कृष्णा	25	5	20	0	0	0	0	20	80	0	0	0	0	5	20.0	20	80.0
13	कुरनूल	22	11	50	4	18.2	2	9.1	5	22.7	0	0	0	0	17	77.3	5	22.7
14	नांदयाल	17	10	58.8	3	17.6	1	5.9	3	17.6	0	0	0	0	14	82.4	3	17.6
15	एनटीआर	19	10	52.6	0	0	0	0	9	47.4	0	0	0	0	10	52.6	9	47.4
16	पलनाडु	39	26	66.7	5	12.8	1	2.6	4	10.3	2	5.1	1	2.6	32	82.1	7	17.9
17	पार्वतीपुरम मान्यम	19	3	15.8	1	5.3	0	0	10	52.6	3	15.8	2	10.5	4	21.1	15	78.9
18	प्रकाशम	24	9	37.5	6	25	9	37.5	0	0	0	0	0	0	24	100.0	0	0.0
19	श्री पोट्टी श्रीरामुलु नेल्लोर	36	20	55.6	9	25	1	2.8	5	13.9	0	0	1	2.8	30	83.3	6	16.7
20	श्री सत्य साई	24	7	29.2	7	29.2	8	33.3	0	0	0	0	2	8.3	22	91.7	2	8.3
21	श्रीकाकुलम	31	7	22.6	2	6.5	0	0	15	48.4	6	19.4	1	3.2	9	29.0	22	71.0
22	तिरुपति	24	16	66.7	4	16.7	2	8.3	2	8.3	0	0	0	0	22	91.7	2	8.3
23	वशाखापत्तनम	15	9	60	0	0	1	6.7	5	33.3	0	0	0	0	10	66.7	5	33.3
24	वजयनगरम	28	11	39.3	1	3.6	0	0	14	50	2	7.1	0	0	12	42.9	16	57.1
25	पश्चिम गोदावरी	17	15	88.2	0	0	0	0	2	11.8	0	0	0	0	15	88.2	2	11.8
26	वाई.एस.आर.	17	7	41.2	5	29.4	3	17.6	1	5.9	0	0	1	5.9	15	88.2	2	11.8
	कुल	**586**	**297**	**50.68**	**63**	**10.75**	**32**	**5.46**	**168**	**28.67**	**17**	**2.9**	**9**	**1.54**	**392**	**66.9**	**194**	**33.1**

*****